13-03-2019

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 13 मार्च 2019 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलाम सेंटर में पुनीरीक्षित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम की 37वीं प्रदेश स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त बैठक एवं कार्यशाला में प्रदेश भर के समस्त 40 मेडिकल कॉलेज (सरकारी एवं गैर सरकारी) के प्रतिनिधियों एवं जिला क्षय रोग अधिकारी ने प्रतिभाग किया।

उक्त बैठक में विभिन्न मेडिकल कॉलेज में क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं टी0बी0 की रोकथाम एवं इसके प्रति लोगों को जागरूक किए जाने हेतु आने वाली कठनाईयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

कार्यशाला का उद्घाटन किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0भटट् ने करते हुए ऐसे जनकल्याणी विषय को लेकर चिकित्सा विश्वविद्यालय में बैठक एवं कार्यशाला आयोजित किए जाने को संस्थान के लिए ऐतिहासिक एवं गौरव का विषय बताया। उन्होंने उत्तर प्रदेश टास्क फोर्स (क्षय नियंत्रण) के चेयरमैन डॉ0 सूर्यकांत की सराहना करते हुए कहा कि टी0बी0 को समाप्त करना विश्व, देश तथा समाज की आवश्यकता है और टी0बी0 को समाप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश मुख्य भूमिका निभाने का कार्य करेगा क्योंकि यहां से आए नतीजे पूरे देश के प्रभावित करेंगे।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश टास्क फोर्स (क्षय नियंत्रण) के चेयरमैन डॉ0 सूर्यकांत ने बताया कि विश्व भर में टी0बी0 रोग से पीड़ित मरीजों में से 27 प्रतिशत मरीज हमारे देश में हैं और 13 मार्च 2018 को दिन इस रोग को समाप्त करने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इसी दिन देश के मा0 प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2025 तक इस बीमारी को खत्म करने का संकल्प लिया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी है लेकिन इसे पूरी मेहनत और लगन से निभाना होगा।

इस अवसर पर स्टेट टास्क फोर्स, नार्थ जोन के चेयरमैन डॉ0 ए0के0भारद्वाज ने हिमाचल प्रदेश सरकार का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत सरकार के साथ ही राज्य सरकारों को भी टी0बी0 को जड़ से खत्म करने के लिए वित्तीय मदद करने के लिए आगे आना होगा।

इस कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ0 संतोष गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश में टी0बी0 की रोकथाम एवं इस बीमारी को जड़ से खत्म करने में के0जी0एम0यू0 मुख्य भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 13 मेडिकल कॉलेजों में टी0बी0 की नई औषधि बेडाक्यूलिन उपलब्ध कराई जा रही है तथा उनका यह प्रयास है कि शीघ्र ही यह औषधि प्रदेश भर से मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स के वाइस चेयरमैन डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि उत्तर प्रदेश में टी0बी0 रोग से पीड़ित मरीजों की संख्या देश भर के किसी भी राज्य के मुकाबले सबसे ज्यादा है, ऐसे में उत्तर प्रदेश को इस रोग के समूल नाश के लिए अग्रणी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने टी0बी0 रोग के समूल नाश के लिए 2035 की समय सीमा तय की है लेकिन भारत सरकार ने इसे 2025 में खत्म करने का दृढ़ संकल्प किया है, जो एक बड़ा कार्य है और इस संकल्प को पूरा करने में उत्तर प्रदेश बड़ी भूमिका निभाएगा।

उक्त कार्यशाला में विश्व स्वास्थ्य संगठन के कंसलटेंट डॉ0 उमेश त्रिपाठी, स्टेट टी0बी0 डेमोंसट्रेशन सेंटर के निदेशक डॉ0 शैलेन्द्र भटनागर, उत्तर प्रदेश टास्क फोर्स (क्षय नियंत्रण) के वाइस चेयरमैन डॉ0 सुधीर चौधरी, उत्तर प्रदेश टास्क फोर्स (क्षय नियंत्रण) के वाइस चेयरमैन डॉ0 जुबैर अहमद, के0जी0एम0यू0 रेस्पेरेट्री मेडिसिन विभाग के डॉ0 अजय वर्मा, डॉ0 दर्शन बजाज, डॉ0 मनीष सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।